बातचीत

न. 06/2025 | भारतीय थलसेना का प्रकाशन | जून 2025

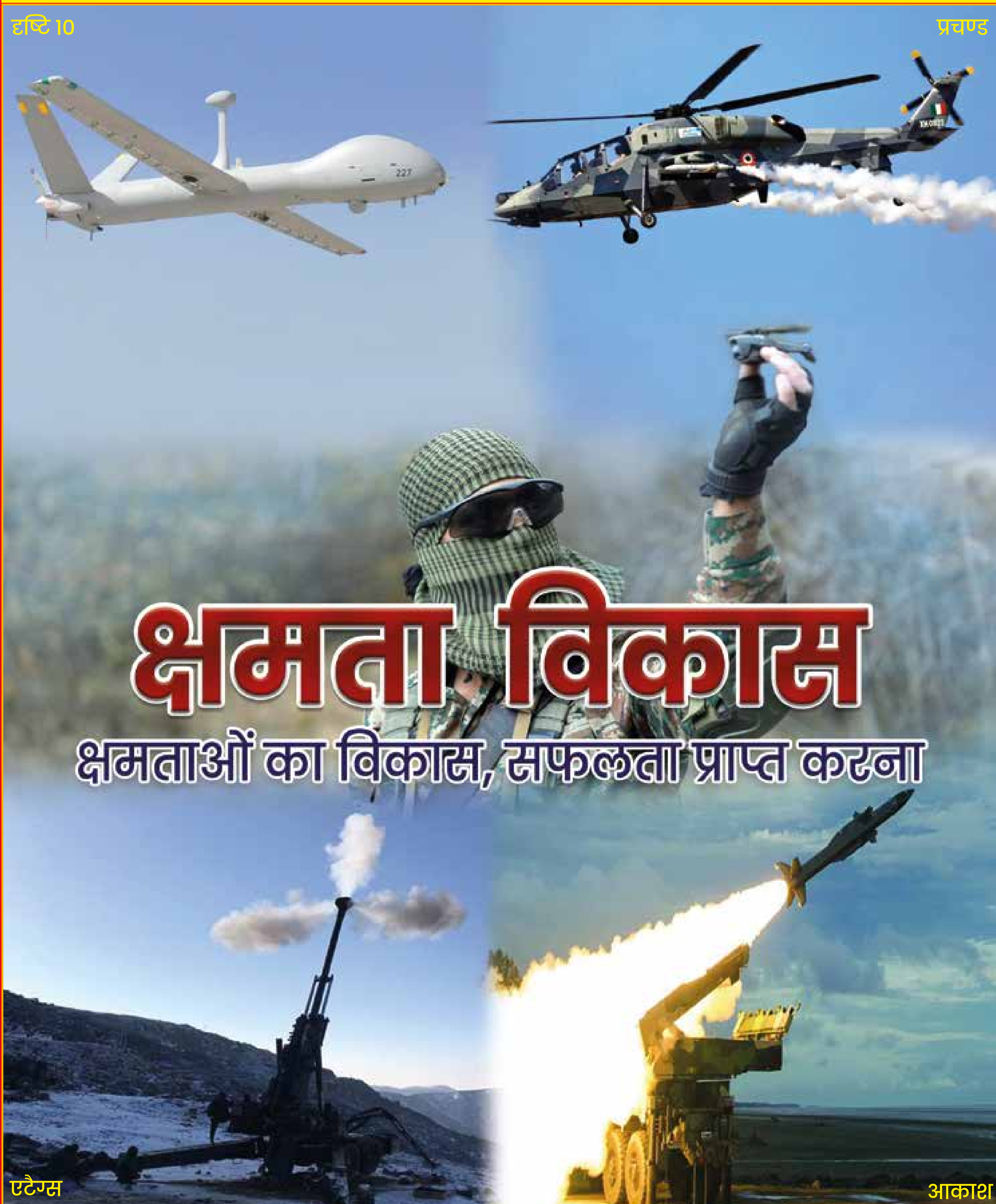

क्षमता विकास

क्षमताओं का विकास, सफलता प्राप्त करना

अब तक की यात्रा...

"मेक इन इंडिया - मेक विद द वर्ल्ड - मेक फॉर द वर्ल्ड"

हम कहाँ हैं

- हस्ताक्षरित अनुबंधों में 'बाय ग्लोबल' से 'बाय इंडियन' की ओर स्पष्ट बदलाव हुआ है
- रक्षा निर्यात 2016-17 के ₹1521 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में ₹23,622 करोड़ तक पहुँचा
- 2023-24 में स्वदेशी रक्षा उत्पादन का अब तक का सर्वोच्च - ₹1.27 लाख करोड़ का है

2011 - 2016

- रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया का क्रमिक संशोधन - निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाले प्रावधान
- 'बाय इंडियन' को सर्वोच्च और 'बाय ग्लोबल' को सबसे कम प्राथमिकता के रूप में वर्गीकरण

1960 - 1990

- 41 ऑर्डनेंस फैक्ट्रियों, 16 डीपीएसयू और 52 डीआरडीओ प्रयोगशालाओं की स्थापना हुई
- भारत अब भी सैन्य उपकरणों (हार्डवेयर) का सबसे बड़ा आयातक है

1950 - 1960

- डीआरडीओ की स्थापना 10 प्रयोगशालाओं के साथ की गई थी
- रक्षा आवश्यकताएं आज भी आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं

1947

- 12 ऑर्डनेंस फैक्ट्रियाँ - केवल बुनियादी जरूरी कपड़ों का उत्पादन करती थीं
- रक्षा हथियार एवं उपकरण - मुख्यत: ब्रिटेन से आयात किए जाते थे

भारतीय सेना की क्षमता का विकास

क्षमता ही आत्मविश्वास है

प्राप्त की गई क्षमताएँ

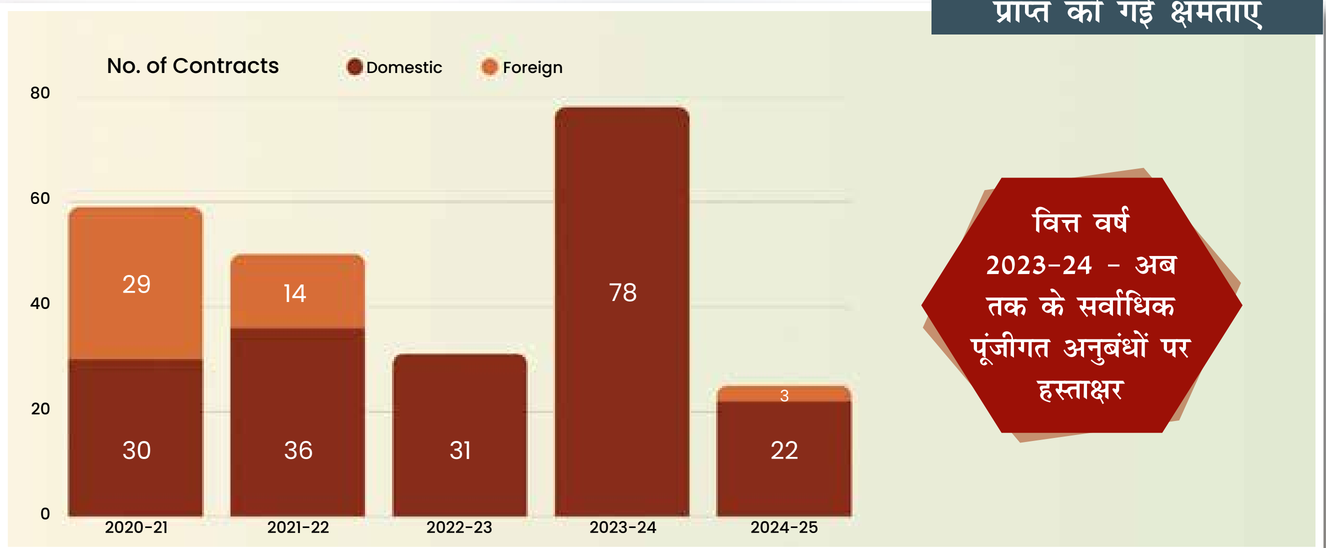

पूंजीगत अनुबंधों का बदलता स्वरूप : भारतीय सेना

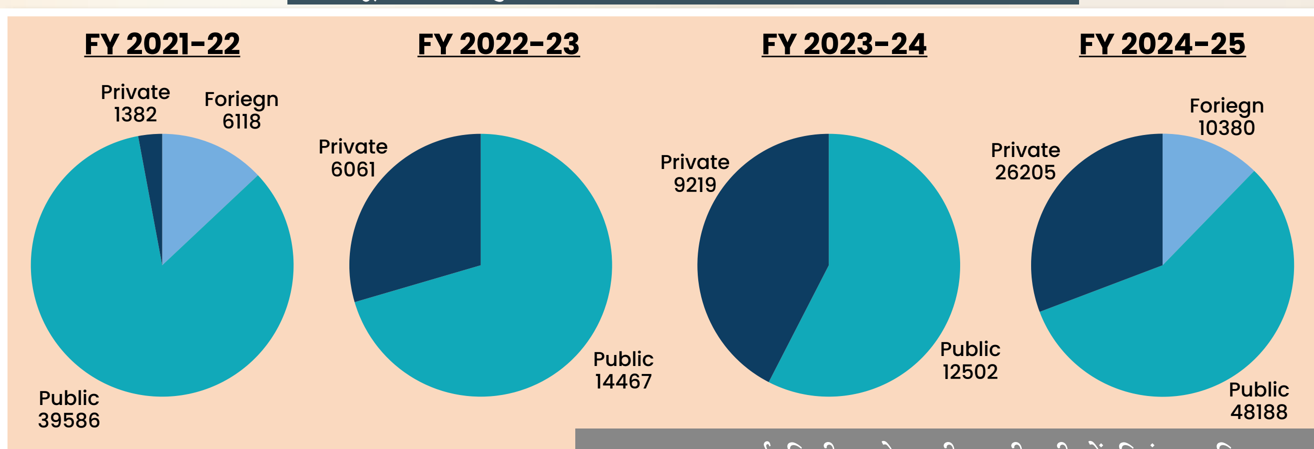

हर वर्ष निजी उद्योग की भागीदारी में निरंतर वृद्धि

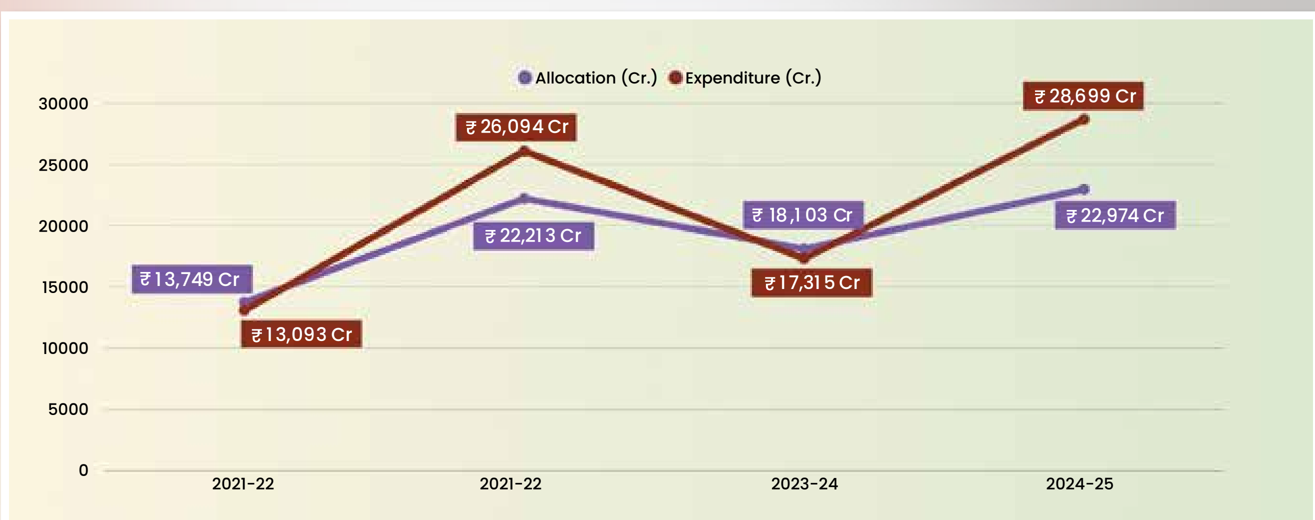

बजट का सर्वोत्तम उपयोग

वित्त वर्ष 2024–25 में

एमक्यू-9बी

भारतीय थल सेना की खुफिया, निगरानी, टोही (आईएसआर) और स्ट्राइक क्षमताओं को अत्याधुनिक आरपीएएस के माध्यम से सशक्त करने के लिए आठ एमक्यू-9बी रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम (आरपीएएस) की खरीद के लिए 8,600 करोड़ रुपये का अनुबंध अमेरिकी सरकार के साथ संपन्न हुआ है।

एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस)

लंबी दूरी की सटीक स्ट्राइक क्षमता को बढ़ाने के लिए, भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) को लगभग 6,800 करोड़ रुपये मूल्य की 307 तोपों का ऑर्डर दिया गया है।

के-9 वज्र

के-9 वज्र एक स्वचालित तोप (आर्टिलरी गन) है, जिसे रेगिस्तानी और अर्द्ध-रेगिस्तानी क्षेत्रों में मैकेनाइज्ड टुकड़ियों के साथ संचालन करते समय आर्टिलरी को समान गतिशीलता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। 7,600 करोड़ रुपये मूल्य की 100 तोपों का ऑर्डर लार्सन एंड टुब्रो को दिया गया है।

हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एलसीएच)

एलसीएच से भारतीय सेना के हेलिकॉप्टर बेड़े को एक बड़ी मजबूती और मौजूदा बेड़े की खुफिया, निगरानी, टोही (आईएसआर) क्षमता और मारक क्षमता में वृद्धि होगी। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ लगभग 40,700 करोड़ रुपये मूल्य के 90 एलसीएच की खरीद के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

किए गए प्रमुख अनुबंध

बड़ी संख्या, बड़ा प्रभाव

पुल बनाने वाले टैंक (बीएलटी)

बीएलटी टी-72 को मैकेनाइज्ड टुकड़ियों को रेगिस्तानी और अर्द्ध-रेगिस्तानी क्षेत्रों में संचालन के दौरान समान गति के साथ पुल निर्माण सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। 47 बीएलटी टी-72 की खरीद के लिए 1,500 करोड़ रुपये मूल्य का अनुबंध आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड (एवीएनएल) के साथ किया गया है।

7.62 एमएम असॉल्ट राइफल सिग सॉयर

फ्रंटलाइन सैनिकों को 7.62 एमएम सिग सॉयर से लैस करने के लिए, शेष 73,000 7.62 एमएम सिग सॉयर की खरीद के लिए अमेरिकी सरकार के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। असॉल्ट राइफल में मौजूदा 5.56 एमएम इंसास राइफल की तुलना में अधिक मारक क्षमता और सटीकता के साथ-साथ कई आधुनिक व अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं।

टैंक टी-72 के लिए 1000 एचपी इंजन

टैंक टी-72 के मौजूदा बेड़े में एक बड़ा अपग्रेड, मौजूदा 780 एचपी इंजन को 1000 एचपी इंजन के साथ अपग्रेड करना है। लगभग 2100 करोड़ रुपये मूल्य के 1000 X 1000 एचपी इंजन खरीदने के लिए रोसोबॉर्न (रूस) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एक खरीदो और बनाओ परियोजना है, जिसमें शुरुआत में 200 इंजन रूस से खरीदे जाएंगे और शेष 800 भारत में निर्मित किए जाएंगे।

पिनाका अम्युनिशन

पिनाका रेजिमेंट की डीप स्ट्राइक क्षमता को बढ़ाने की एक बड़ी योजना के अंतर्गत मुनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) और इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) के साथ लगभग 4,500 करोड़ और 5,700 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अम्युनिशन के 2025 के अंत में और 2026 की शुरुआत तक शामिल होने की संभावना है।

आपातकालीन खरीद

नैनो ड्रोन

कैनिस्टर लॉन्चड एंटी आर्मर लोइटर म्यूनिशन

हैंड हेल्ड थर्मल इमेजर अनकूल्ड

लंबी समयावधि में तत्काल क्षमता अंतराल से जोड़ने के लिए आपातकालीन शक्तियां प्रदान की गई

वाहन मोडीफाइ इन्फेंट्री मोर्टार प्रणाली

बल प्रयोग, युद्धक्षेत्र जागरूकता, कमांड और नियंत्रण, यूएएस और सी-यूएएस और सुरक्षा से लेकर कैपेबिलिटी डोमेन को कवर करने के लिए चार चरणों में खरीद

इन्फेंट्री प्रोटेक्टेड मोबिलिटी व्हीकल

स्पेशल मोबिलिटी व्हीकल

क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल

लॉजिस्टिक ड्रोन- मध्यम ऊंचाई

रोबोटिक म्यूल

हल्के बुलेट प्रूफ वाहन

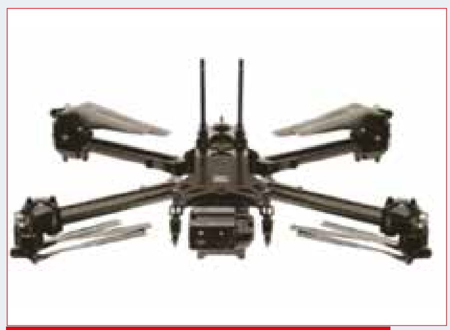

सामारिक ड्रोन

वित्त वर्ष 2025-26 में अधिग्रहण की क्षमताओं की योजना बनाई गई

क्विक रिएक्शन सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (1)

एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर मार्क-3

इनवर - एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल

ब्रह्मोस एनजी

मजबूत लैपटॉप

वीएसहोराड्स - बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली

क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन

स्ट्रेला 10एम कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली

एयर डिफेंस कंट्रोल रडार (1)

वित्त वर्ष 2025-26 में अधिग्रहण के लिए 68000 करोड़ रुपये के अनुबंधों की योजना बनाई गई है

क्षमता प्रणाली में वृद्धि: योजना और जारी ड्रोन खरीद की प्रक्रिया

नैनो ड्रोन

निगरानी कॉप्टर

लोइटर म्यूनिशन सिस्टम

एरियल टारगेटिंग सिस्टम

एरिया रनवे इनडिपेंडेंट रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम

मिनी रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम

लॉजिस्टिक ड्रोन हाई एल्टीट्यूड

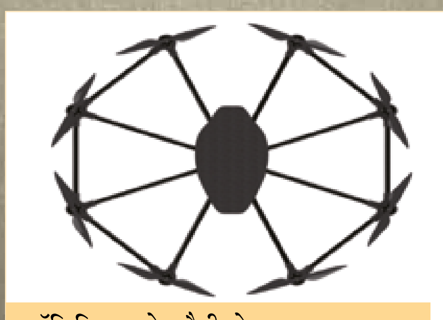
लॉजिस्टिक ड्रोन हैवी वेट

लॉजिस्टिक ड्रोन लाइट वेट

अनमैन्ड एरियल व्हीकल सिस्टम लॉन्चड प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल

हाई एल्टीट्यूड एरिया के लिए टेथर्ड ड्रोन

सैटकॉम के साथ मेल आरपीए

प्रौद्योगिकी समावेश के माध्यम से आधुनिकीकरण

जारी परियोजनाएं

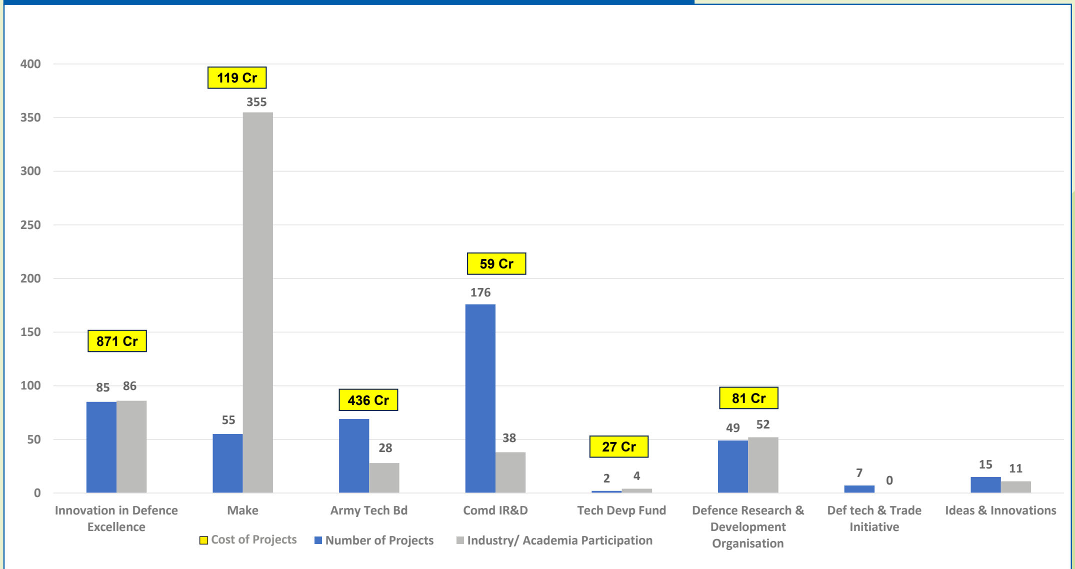

- 2,01000 करोड़ की 458 परियोजनाएं विकास के विभिन्न स्तरों पर हैं
- इसमें 574 उद्योग/एमएसएमई/स्टार्टअप्स/अकादमी शामिल हैं

समस्या वक्तव्यों का संकलन 2025

- समस्या वक्तव्यों का संकलन 2025 (सीपीडीएस) का विमोचन माननीय रक्षा मंत्री द्वारा फरवरी 2025 में एयरो इंडिया के दौरान किया गया।
- इसमें 11 क्षेत्रों से संबंधित 82 समस्या वक्तव्य शामिल हैं।
- अब तक कुल 145 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

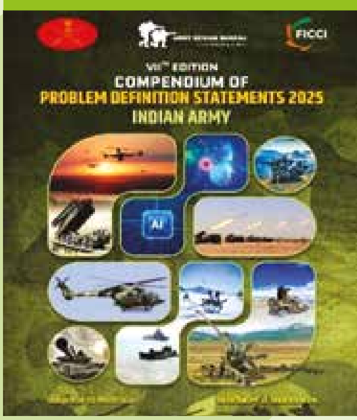

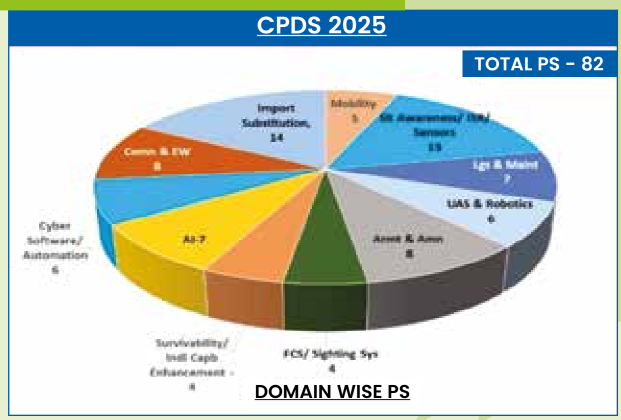

अग्रिम क्षेत्रों का दौरा

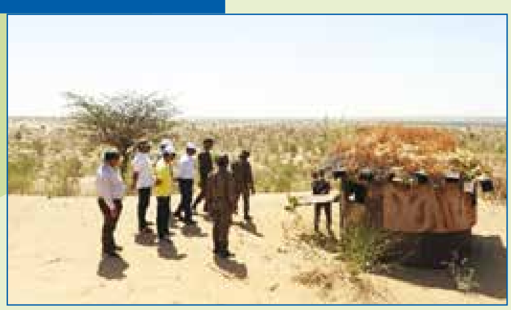

- उद्योग/शैक्षणिक प्रतिनिधियों के लिए अग्रिम क्षेत्र के दौरे आयोजित किए जाते हैं।
- इनका उद्देश्य कठिन परिचालन क्षेत्र और मौसम की परिस्थितियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।
- उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों से कुल आठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गोला-बारूद गिराने का अभ्यास

- यह अभ्यास सेंट्रल कमांड में आयोजित किया गया।
- इसका उद्देश्य उपलब्ध गोला-बारूद/विस्फोटक जैसे कि ग्रेनेड, मोर्टार बम, या शेप्ड चार्जेज को वर्तमान में सेवा में उपलब्ध वाणिज्यिक ड्रोन पर एकीकृत करने के लिए उपयुक्त तकनीक का नवाचार और डिजाइन करना है।

थलसेनाध्यक्ष पृष्ठ

थलसेनाध्यक्ष ने सुरक्षा और परिचालन तैयारी की समीक्षा करने के लिए उत्तराखंड में अग्रिम चौकियों का दौरा किया। थलसेनाध्यक्ष ने भारतीय सेना और आईटीबीपी के जवानों से बातचीत की।

थलसेनाध्यक्ष ने फॉर्मेशन की वर्तमान परिचालन तैयारी का आकलन करने के लिए रेड ईगल डिवीजन का दौरा किया। थलसेनाध्यक्ष ने उभरते खतरों का मुकाबला करने के लिए डिवीजन की लड़ाकू तैयारी और उन्नत तकनीक के प्रभावी एकीकरण की सराहना की।

थलसेनाध्यक्ष ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के सेमिनार के दौरान 31 मई 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने राष्ट्र के लिए आजीवन सेवा का सम्मान किया।

थलसेनाध्यक्ष ने 27 मई 2025 को बबीना फील्ड फायरिंग रेंजेज में स्वदेशी मानवरहित हवाई प्रणाली (यूएएस), काउंटर यूएएस और लोइटरिंग मुनिशन के अत्याधुनिक प्रदर्शनों को देखा।

थलसेनाध्यक्ष ने जम्मू-कश्मीर के परागवाल सेक्टर में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और टाइगर डिवीजन का दौरा किया, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैनिकों की सराहना की।

थलसेनाध्यक्ष ने ज्योतिर्मठ में सामुदायिक रेडियो स्टेशन (88.4 मेगाहट्र्ज) 'आईबेक्स तराना' का उद्घाटन किया। यह स्टेशन गढ़वाल क्षेत्र के लोगों को समर्पित है, जिसका उद्देश्य सामुदायिक सशक्तिकरण और क्षेत्रीय विकास के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में सेवा करना है।

संक्षिप्त

जोइंट इंटर-सर्विसेज सिक्यूरिटी एक्सरसाइज - मुंबई कवच 2025, बहु-आयामी खतरों के लिए एकीकृत प्रतिक्रियाओं को मान्य करने हेतु भारतीय सेना द्वारा कोलाबा, मुंबई में उच्च-स्तरीय संयुक्त अभ्यास आयोजित किया गया।

17वां भारत-मंगोलिया संयुक्त अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट 2025 31 मई से 13 जून 2025 तक उलानबटार में आयोजित किया गया।

भारतीय सेना और ब्रिटिश सेना के बीच 14वीं भारत-यूके कार्यकारी संचालन समूह की बैठक 20 से 21 मई 2025 तक नई दिल्ली और हिसार में आयोजित की गई।

ऑपरेशन जल राहत - भारतीय सेना ने इम्फाल पूर्व और पश्चिम में व्यापक बचाव प्रयास किए, जिसमें वांगखेई, हेइंगंग, लामलोंग, खुरई, जेएनआईएमएस और अहलप के जलभराव वाले क्षेत्रों से 500 से अधिक नागरिकों को निकाला गया।

भारतीय सेना के 12 एथलीटों ने 27 से 31 मई 2025 तक दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित 26वीं एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 5 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 9 पदक हासिल किए।

समारोहिक कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र दिवस की स्मृति में, उप थलसेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राकेश कपूर (सूचना प्रणाली एवं समन्वय) ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कैप्टन नोजो मसाशी, मुख्य प्रशिक्षक, जोइंट स्टाफ कॉलेज, जापान ने भारत के शूरवीरों के शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षा अलंकरण समारोह के दौरान राष्ट्रपति भवन में परम विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किया।

लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने उत्तर सिक्किम के उच्च हिमालयी क्षेत्र में एक परिचालन गश्त के दौरान एक साथी सैनिक को बचाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। त्रिशक्ति कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) द्वारा बेंगडुबी मिलिट्री स्टेशन में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई।

लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लसंथ रोड्रिगो, श्रीलंका आर्मी चीफ, ने भारतीय सैन्य अकादमी में स्प्रिंग टर्म 2025 की पासिंग आउट परेड की समीक्षा की। इस अवसर पर 451 कैडेट्स को कमीशन प्रदान किया गया, जिनमें 32 मित्र देशों से (श्रीलंका से 2) कैडेट्स शामिल थे।

सेना प्रमुख और आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) की अध्यक्षा ने नई दिल्ली में आयोजित अलंकरण समारोह-2025 के दौरान सम्मानित वीरता पुरस्कार विजेताओं, वीर नारियों और परिजनों से संवाद किया।

पूर्व सैनिक कार्नर

थलसेनाध्यक्ष ने 27 मई 2025 को प्रयागराज में आयोजित समारोह में विशिष्ट सेवानिवृत्त सैनिकों कर्नल राज कुमार काक (सेवानिवृत्त), कैप्टन डी.पी.एन. सिंह (सेवानिवृत्त), सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) के.सी. उपाध्याय (सेवानिवृत्त) एवं सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) अंजनी (सेवानिवृत्त) को वेटरन अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया।

आउटरीच कार्यक्रम के तहत ब्रह्मास्त्र कोर द्वारा रांची मिलिट्री स्टेशन में एक वेटरन्स मीट का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व सैनिकों के कल्याण और जारी योजनाओं की जानकारी पर केंद्रित रहा। यह भारतीय सेना का पूर्व सैनिकों को सशक्त बनाने और समर्थन देने की दिशा में एक कदम है।

प्रोजेक्ट 'नमन' के विस्तार के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके अंतर्गत देशभर में 25 स्थानों पर स्पर्श-समर्थित कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) स्थापित किए जाएंगे, जिससे पेंशन सेवाओं तक सरल और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'अतुल्य गंगा ट्रस्ट' के पूर्व सैनिकों ने 5 से 7 जून 2025 तक उत्तराखंड में गंगोत्री से हर्षिल तक तीन दिवसीय 'प्लास्टिक उन्मूलन कार सेवा' अभियान चलाया।

सुश्री प्रीति जिंटा ने वीर नारियों के कल्याण और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए 1.10 करोड़ रुपये का उदारतापूर्ण योगदान दिया, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मदद मिलेगी। यह पुनीत कार्य हमारे सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के प्रति उनके अटूट समर्पण का प्रतीक है।

माह का उपकरण

आकाशतीर

आकाशतीर भारतीय सेना के लिए बनाई गई एक वायु रक्षा प्रणाली है। यह दुश्मन के हवाई खतरों जैसे लड़ाकू विमान, ड्रोन और मिसाइलों का पता लगाने, उन्हें ट्रैक करने और नष्ट करने में मदद करता है। यह रीयल-टाइम में काम करता है, यानी तुरंत प्रतिक्रिया देता है और भारतीय वायु क्षेत्र की सुरक्षा करता है।

तकनीकी बढ़त

आकाशतीर कोई अकेली प्रणाली नहीं है। यह स्वदेशी रक्षा प्लेटफार्मों के एक बढ़ते हुए पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा है, जो भारत की युद्ध क्षमताओं को नया रूप दे रहा है। 'मेक इन इंडिया' योजना ने इस क्षेत्र में विकास को बल दिया है और उन्नत सैन्य प्लेटफार्मों के निर्माण को संभव बनाया है, जिनमें शामिल हैं: धनुष आर्टिलरी गन सिस्टम, एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस), मेन बैटल टैंक (एमबीटी) अर्जुन, लाइट स्पेशलिस्ट वाहन, हाई मोबिलिटी वाहन, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस, एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच), लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर (एलयूएच), वेपन लोकेटिंग रडार, 3डी टैक्टिकल कंट्रोल रडार, और सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड रेडियो (एसडीआर)। इसके साथ-साथ इसमें नौसेना के प्लेटफार्म जैसे विध्वंसक जहाज, स्वदेशी विमानवाहक पोत, पनडुब्बियाँ, फ्रिगेट, कार्वेट, फास्ट पेट्रोल वेसल, फास्ट अटैक क्राफ्ट और ऑफशोर पेट्रोल वेसल भी शामिल हैं।

मुख्य विशेषताएँ

- **पूर्णतः स्वचालित:** आकाशतीर विभिन्न सेंसरों के नेटवर्क का उपयोग कर तेजी से खतरों का पता लगाता है और उन्हें निष्क्रिय करता है। यह सॉफ्टवेयर की मदद से डेटा को प्रोसेस करता है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम होता है, त्रुटियाँ घटती हैं और समय की बचत होती है।
- **अनेक सेंसरों के साथ कार्य करने में सक्षम:** यह विभिन्न रडार और उपग्रहों जैसे कार्टोसैट और आरआईएसएटी से प्राप्त डेटा को जोड़ता है। इससे आसमान में हो रही गतिविधियों की सम्पूर्ण और सटीक तस्वीर मिलती है।
- **रीयल-टाइम कमांड और कंट्रोल:** आकाशतीर भारत के प्रमुख रक्षा नेटवर्क सी4आईएसआर (कमांड, कंट्रोल, कम्युनिकेशंस, कंप्यूटर, इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस) का हिस्सा है। यह थल सेना, नौसेना और वायुसेना को जोड़ता है ताकि वे एकजुट होकर तेजी से जवाब दे सकें।
- **गतिशील और लचीला:** इसे वाहनों पर स्थापित किया गया है, जिससे यह सीमाओं या युद्ध क्षेत्रों जैसी जगहों पर शीघ्रता से पहुँचाया जा सकता है।
- **त्वरित निर्णय क्षमता:** फील्ड कमांडरों को आदेशों का इंतजार नहीं करना पड़ता। वे तुरंत निर्णय लेकर दुश्मन के खतरों को समाप्त कर सकते हैं।
- **सुरक्षित और गुप्त संचार:** आकाशतीर सुरक्षित और गोपनीय संदेशों का प्रयोग करता है, जिससे दुश्मनों के लिए सिस्टम को समझना या बाधित करना बेहद कठिन हो जाता है।

महत्व

- **स्वदेशी और आत्मनिर्भर:** आकाशतीर पूरी तरह से भारत में निर्मित प्रणाली है। यह दर्शाता है कि भारत रक्षा तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त बनता जा रहा है।
- **बहु-स्तरीय सुरक्षा:** यह अन्य प्रणालियों जैसे आकाश मिसाइल प्रणाली और एस-400 के साथ मिलकर काम करता है। इससे जमीन से लेकर आकाश तक भारत को कई स्तरों पर सुरक्षा मिलती है।
- **स्मार्ट और सक्रिय रक्षा प्रणाली:** आकाशतीर केवल खतरों का इंतजार नहीं करता, बल्कि उन्हें देखता है, निर्णय लेता है और तुरंत कार्रवाई करता है। यह इसे पारंपरिक रक्षा प्रणालियों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी बनाता है।

नागी का युद्ध

मेजर (बाद में ब्रिगेडियर) वी.के. बेरी - पैराशूट रेजिमेंट

नागी की लड़ाई, 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद, राजस्थान के श्रीगंगानगर में लड़ी गई थी, जिसने युद्धविराम को चुनौती दी। पाकिस्तानी सेना की यह दुस्साहसी घुसपैठ और भारतीय सेना की दृढ़तापूर्ण कार्रवाई ने राष्ट्रीय सीमा की रक्षा में भारतीय सैनिकों के अटूट साहस और प्रतिबद्धता को दर्शाया। 16 दिसंबर 1971 को ढाका में पाकिस्तान के आत्मसमर्पण के बाद, पाकिस्तानी सैनिकों ने एक सुनियोजित कदम के तहत श्रीकरणपुर तहसील के नागी गाँव के पास स्थित एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रेत के टीले में घुसपैठ की और उसे कब्जे में ले लिया। उनका उद्देश्य भारत की विजय को कमजोर करना, पूर्वी मोर्चे पर हुई हार का बदला लेना और भूक्षेत्र पर कब्जा करने के माध्यम से भविष्य की बातचीत में कुछ फायदा उठाना हो सकता था। इस स्पष्ट युद्धविराम उल्लंघन के कारण भारतीय सेना ने त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की। घुसपैठियों को खदेड़ने की जिम्मेदारी 51 (1) पैरा ब्रिगेड को सौंपी गई। हमले में 4 पैरा (स्पेशल फोर्सेज) मुख्य आक्रामक टुकड़ी के रूप में शामिल थी, जिसे 9 पैरा फील्ड रेजिमेंट की महत्वपूर्ण तोपों का सहयोग प्राप्त था। 410 फील्ड कंपनी (इंजीनियर्स) ने बाधाओं को दूर किया और 18 कैवेलरी ने आर्मर्ड सहायता प्रदान की।

4 पैरा के मेजर वी. के. बेरी ने 27 दिसंबर 1971 को सुबह होने से पहले 0400 बजे हमला शुरू किया। पाकिस्तानी सेना, जो रेत के टीले पर मजबूत मोर्चा बनाकर बैठी थी, ऊँचाई, स्पष्ट फायरिंग जोन और बारूदी सुरंगों के कारण एक महत्वपूर्ण रणनीतिक रूप से अनुकूल स्थिति में थी।

जैसे ही पैरा ट्रूपर्स आगे बढ़े, उन्हें दुश्मन की सटीक गोलाबारी और भारी मशीन गनों की तीव्र गोलीबारी का सामना करना पड़ा। पहले हमले में बड़ी संख्या में 4 पैरा के सैनिक हताहत हुए। लेकिन असाधारण साहस और अडिग संकल्प दिखाते हुए भारतीय सैनिक डटे रहे और आगे बढ़ते रहे। उसी समय, 9 पैरा फील्ड रेजिमेंट की तोपों ने पाकिस्तानी गोलाबारी का प्रभावी जवाब दिया और दुश्मन की प्रमुख फायरिंग पोजिशनों को निष्क्रिय कर दिया। 410 फील्ड कंपनी के इंजीनियरों ने लगातार दुश्मन की गोलीबारी के बीच बहादुरी से सुरंगों और अन्य बाधाओं को हटाया, जिससे इन्फेंट्री के लिए रास्ता साफ हो सका।

कड़े प्रतिरोध के बावजूद, 4 पैरा के जवानों ने अपने दृढ़ संकल्प, युद्ध रणनीति और सहयोगी सैन्य इकाइयों के साथ बेहतरीन समन्वय के बल पर नागी के रेत टीले की ओर लगातार बढ़ते हुए 28 दिसंबर 1971 को सुबह 0600 बजे तक उसे फिर से अपने कब्जे में ले लिया। पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया गया और वे हथियारों और गोला-बारूद का बड़ा भंडार पीछे छोड़कर भाग गए।

इस मुठभेड़ के दौरान 21 बहादुर भारतीय सैनिकों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता और पराक्रम नागी की रेत पर अंकित है, जो भारतीय सशस्त्र बलों के साहस का प्रमाण है। 24 अप्रैल 2025 को, फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा नागी युद्ध स्मारक पर एकता, गौरव और बलिदान के एक विशाल प्रतीक के रूप में 72 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया था। भारतीय सेना हर साल 27-28 दिसंबर को 'नागी दिवस' मनाती है, जिसमें पुष्पांजलि समारोह, शैक्षिक प्रस्तुतियों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से वीरगति प्राप्त सैनिकों की वीरता और बलिदान को याद किया जाता है।

विज्ञप्ति

कैण्टीन स्मार्ट कार्ड नवीनीकरण पोर्टल

क्वार्टर मास्टर जनरल (क्यूएमजी) शाखा के अंतर्गत डायरेक्ट्रेट ऑफ कैंटीन सर्विसेज (सीएसडी) सभी सीएसडी उपयोगकर्ताओं-विशेष रूप से पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए बेहतर कैंटीन सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्मार्ट कार्ड नवीनीकरण की बाध्यता समाप्त करने से लेकर कार खरीद की सीमा बढ़ाने तक, सीएसडी ने कई पूर्व सैनिकों के हित में बदलाव किए हैं। सीएसडी का ऑनलाइन पोर्टल (csdindia-gov-in) अब आपको घर बैठे किराना और मांग के आधार पर एएफडी-1 वस्तुएँ खरीदने की सुविधा देता है। 2025 से दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में डिलीवरी सेवाएँ भी शुरू की जा रही हैं।

- **अपना कोटा पहले से खरीदें**। अब आप अपना पूरा मासिक कोटा पहले से खरीद सकते हैं।
- **चार पहिया वाहनों के लिए बड़ा बजट**। चार पहिया वाहन खरीद के लिए सीएसडीकी मॉनेटरी सीमाएँ
  - ➢ **अधिकारी:** 20 लाख रुपये (15 लाख रुपये से ऊपर)।
  - ➢ **जेसीओ:** 10 लाख रुपये (7 लाख रुपये से ऊपर)।
  - ➢ **ओआर:** 8 लाख रुपये (6 लाख रुपये से ऊपर)।
  - ➢ इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीज) को इन सीमाओं के ऊपर 5 लाख रुपये अतिरिक्त मिलते हैं।
- **आपके जीवनकाल में अधिक कारें**। 1 फरवरी, 2024 से जेसीओ और ओआर के लिए आजीवन कार खरीद सीमाएँ:
  - ➢ **जेसीओज:** जीवनकाल में पाँच कारें (पहले कम)।
  - ➢ **ओआर:** जीवनकाल में चार कारें (पहले से ज्यादा)।
  - ➢ **विधवाएँ/निकट संबंधी:** मृतक सैनिक से किसी भी घोषित कोटे का उपयोग कर सकते हैं।
  - ➢ खरीदारी के बीच का अंतर आठ साल बना हुआ है।
  - ➢ सेवारत कर्मियों के लिए, पाँच साल की सेवा के बाद पहली कार।
  - ➢ अधिकारी और नागरिक वेतन स्तर 10-18: हर 08 साल में एक कार्ड, कोई आजीवन सीमा नहीं।
- **टीवी और एसी के साथ अपने घर को अपग्रेड करें**
  - ➢ **दो टीवी:** चार साल के ब्लॉक के भीतर (उदाहरण के लिए, 2025-2028)।
  - ➢ **चार एसी:** पिछली सीमा से ऊपर, चार साल के ब्लॉक में भी।
  - ➢ चाहे आप सेवारत हों, सेवानिवृत्त हों या पारिवारिक पेंशनभोगी (वेतन स्तर 1-18), ये सुविधाएँ लागू होती हैं।
  - ➢ ब्लॉक अवधि हर चार साल में रीसेट होती है।
- **अन्य एएफडी-1 आइटम सरल बनाए गए**

  कार और उपकरणों के अलावा, दोपहिया वाहन, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप और डेस्कटॉप जैसे अन्य आइटम मांग के आधार पर (एएफडी-1):
  - ➢ **सीमा:** हर चार साल में प्रत्येक प्रकार का एक।
  - ➢ **नियम:** अपनी पिछली खरीदारी से चार साल के अंतराल के भीतर एक बार में केवल एक प्रकार।
  - ➢ पात्र लोगों में सभी सशस्त्र बल कर्मी (सेवारत/सेवानिवृत्त), रक्षा नागरिक और पारिवारिक पेंशनभोगी (वेतन स्तर 1-18) शामिल हैं।
- वीर नारियों और निकट संबंधी के लिए विशेष सहायता। युद्ध में हताहत हुए लोगों (घातक) को वीर नारी या निकटतम संबंधी को एक अनूठा कैंटीन स्मार्ट कार्ड निःशुल्क मिलेगा - कोई शुल्क नहीं, कोई झंझट नहीं।
- **पात्रता**

  चार पहिया वाहन:
  - ➢ **वेतन स्तर 3-5 (ओआर):** 8 लाख रुपये (ईवी के लिए 13 लाख रुपये), जीवन भर में चार।
  - ➢ **वेतन स्तर 6-9 (जेसीओ):** 10 लाख रुपये (ईवी के लिए 15 लाख रुपये), जीवन भर में पाँच।
  - ➢ **वेतन स्तर 10-18 (अधिकारी/नागरिक):** 20 लाख रुपये (ईवी के लिए 25 लाख रुपये), हर आठ साल में एक बार।
  - ➢ **विधवा/निकट संबंधी:** मृतक के वेतन स्तर के समान सीमाएँ, घोषित कोटे का उपयोग करते हुए।
  - ➢ **एएफडी-आई आइटम (टीवी, एसी, आदि):** वेतन स्तर 1-18 (सेवारत, सेवानिवृत्त, पेंशनभोगी)।
- **सीधी पहुँच**
  - ➢ **ब्रिगेडियर सीएस:** 26181621 (सिविल)
  - ➢ **एक्यूएमजी सीएस:** 20862162 (सिविल)।

BAATCHEET

जानकारी के लिए संपर्क करें
प्रकाशक: स्ट्रेटजिक कम्युनिकेशन, रक्षा मंत्रालय (सेना), आईएचक्यू का अतिरिक्त महानिदेशालय
संपादक बातचीत ईमेल: editorbaatcheet@gmail.com
संपर्क नंबर: 011-23018665
प्रिंटर: एनीथिंग प्रिंटर, **फोन:** 011-45685718